तिहाड़ जेल से अरविंद केजरीवाल का पत्र

मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया?

क्या नितिन गड़करी के भ्रष्टाचार को उजागर करना अपराध है?

"भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में मैंने अपना जीवन लगाने का फैसला किया है। इस लड़ाई में मैं भूखा रहा, पुलिस से लाठियां खाईं, अपमान सहे और अब तिहाड़ जेल में हूं।"

21 मई की शाम को मुझे गिरफ्तार करके तिहाड़ भेज दिया गया। मैं तो बिल्कुल सकते में आ गया। समझ नहीं पाया कि आख़िर मेरा अपराध क्या है?

मैंने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नितिन गड़करी जी के भ्रष्टाचार का भंडा फोड़ा था। लेकिन आज वो खुलेआम घूम रहे हैं। उनके भ्रष्टाचार के ख़िलाफ जांच भी शुरू नहीं हुई। लेकिन मुझे जेल भेज दिया गया है। ये तो सरासर गलत है। ऐसा होगा तो इस देश में भ्रष्टाचार के ख़िलाफ कौन आवाज़ उठायेगा। मुझे कहा जा रहा है कि बेल ले लो। पर मेरा अपराध क्या है? मैं किस अपराध में बेल ले लूं? भ्रष्टाचार तो नितिन गड़कारी, ए. राजा और कलमाड़ी ने किया है। बेल तो उन्हें लेनी चाहिए।

अभी तक मेरे खिलाफ कई बड़े बड़े नेता ऐसे केस कर चुके हैं। मैंने कपिल सिब्बल के भ्रष्टाचार को उजागर किया। कपिल सिब्बल जी के बेटे ने मेरे खिलाफ केस किया। मैंने शीला दीक्षित के भ्रष्टाचार का खुलासा किया। शीला दीक्षित जी के सहायक ने मेरे खिलाफ केस किया। और भी ऐसे कई केस हैं मेरे खिलाफ। लेकिन किसी भी केस में मुझे बेल लेने को नहीं कहा। क्योकि मुजरिम मैं थोडे ही हूं। मुजरिम तो वो लोग हैं। मैंने बस कोर्ट में साइन करके दे दिया कि मैं हर तारीख को उपस्थित रहूंगा। इससे कोर्ट संतुष्ट हो गया।

इस मामले में भी मुझे उम्मीद थी कि अदालत से मुझे राहत मिल जाएगी। लेकिन अदालत ने मुझे राहत देने के बजाए जेल भेज दिया। अब मैं तिहाड़ जेल में हूं। और मुझे यह सवाल परेशान कर रहा है कि आम आदमी भ्रष्टाचार के खिलाफ कैसे लड़ सकता है?

मेरे जेल जाने से यह संदेश जाता है कि एक आम आदमी नितिन गड़करी जैसे बड़े नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठायेगा, उसे जेल जाना पड़ेगा। तो यह तो बहुत ही खतरनाक है।

यदि मेरे साथ ये हो सकता है, तो काई भी आम आदमी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ कैसे उठाएगा। मेरा कहना है- यदि मैंने कोई अपराध किया है तो मुझे कड़ी से कड़ी सजा दो। नहीं तो,मुझे तुरंत रिहा किया जाए। मैं आम आदमी के हक़ के लिए और भ्रष्टाचार के खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ता रहूंगा।

और एक बात। मीडिया का एक हिस्सा इस वक्त हमारे खिलाफ है। भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी इस लड़ाई को वे नौटंकी या ड्रामा बता रहे हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि यदि आप मीडिया में कोई भी हमारे खिलाफ मनगढ़ंत ख़बर पढ़ें या सुनें तो उस पर एकदम यकीन मत कीजिए।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में मैंने अपना जीवन लगाने का फैसला किया है। इस लड़ाई में मैं भूखा रहा, पुलिस से लाठियां खाईं, अपमान सहे और अब तिहाड़ जेल में हूं। आप सब का साथ मेरी ताकत है। भगवान से मेरे लिए दुआ कीजिए। इस पर्चे की अधिक से अधिक कापियां बनवाकर बांट दीजिए।

-अरविंद केजरीवाल
कैदी नं- 3642, जेल नं-4, तिहाड़

(नोट: नितिन गड़करी के भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेज़ों के लिए देखें: http://www.aamaadmiparty.org/documents-related-to-nitin-gadkari)

आम आदमी पार्टी-9718500606